an>

Title: Need to provide adequate educational and medical facilities for women in Dausa Parliamentary Constituency, Rajasthan.

श्री हरीश मीना (दौसा) ः मैं अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र दौसा (राजस्थान) में महिलाओं की मौजूदा स्थिति के प्रति सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

मेरा संसदीय क्षेत्र दौसा तीन राजस्व जिलों में फैला है- दौसा, अलवर और जयपुर। मेरे निर्वाचन क्षेत्र में मात्र एक महिला कॉलेज है जिस कारण काफी महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, मेरे निर्वाचन क्षेत्र में औसत साक्षरता दर 68.16 प्रतिशत थी जिसमें पुरूष साक्षरता दर 82.98 प्रतिशत और स्त्री साक्षरता दर 51.93 प्रतिशत है। यह आँकड़ें दर्शाते हैं कि महिलाएं शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ रही हैं। यह देखते हुए मैं केन्द्र और राज्य सरकार दोनों से दरख्वास्त करूंगा कि महिलाओं को पुरूषों के बराबर का दर्जा दिलाने के लिए महिलाओं की विशिष्ट कॉलेज और अन्य शिक्षा संस्थान की जरूरत को समझे और इस दिशा में जल्द कदम उठायें।

इसी तरह, महिलाओं के लिए विशेष चिकित्सा सुविधाएं होनी चाहिए। स्वास्थ्य देखभाल हर व्यक्ति का अधिकार है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र में वर्तमान में अस्पतालों में महिला डॉक्टरों की संख्या काफी कम है और अस्पतालों में महिलाओं के लिए कोई विशेष सेवा जैसे स्पेशल वार्ड इत्यादि कोई चिकित्सा सुविधाएं नहीं हैं।

दौसा एक ग्रामीण क्षेत्र है और महिला डॉक्टरों के अभाव में महिलाएं पुरूष डॉक्टरों से खेद को अभिव्यक्त करने के लिए हिचकिचाती हैं। हम सभी जानते हैं कि भारत में अस्पतालों की कमी और चिकित्सा की जानकारी के अभाव में काफी महिलाएं घर में ही बच्चों को जन्म देती हैं और सही इलाज न मिलने के कारण जन्म देने के दौरान ही मर जाती हैं, यह चिंता का विषय है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि वे मेरे संसदीय क्षेत्र दौसा में महिलाओं के कल्याण के लिए उपयुक्त शैक्षिक और चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए जल्द से जल्द उपयुक्त कदम उठाए जाएं।